CHAPTER 9

1. रुबाइयाँ

2. ग़ज़ल

PAGE 60, प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ

12:1:9:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ: 1

शायर राखी के लच्छे को बिजली की चमक की तरह कहकर क्या भाव व्यंजित करना चाहता है?

उत्तर: फिराक गोरखपुरी राखी की भावना को बिजली की चमक की तरह व्यक्त करना चाहते हैं, क्योंकि रक्षा बंधन का त्योहार सावन के महीने में पड़ता है और उस समय आकाश में बादलों के साथ-साथ बिजली भी होती है। राखी के लच्छे भी उसी बिजली की तरह चमकते हैं। बिजली की चमक सच्चाई को दर्शाती है और राखी के लच्छे रिश्ते की पवित्रता को व्यक्त करती है। घटा और बिजली का रिश्ता भाई और बहन के बीच रिश्ते के समान है।

12:1:9:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ :2

खुद का परदा खोलने से क्या आशय है?

उत्तर: “खुद का परदा’ खोलने का आशय यह है की अपनी कमियों तथा दोषो को समझना तथा प्रकट करना। दूसरे की बुराई करने वाले लोग अनजाने में ही स्वंम की कमजोरी प्रदर्शित करते है।

12:1:9:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ :3

किस्मत हमको रो लेवे है हम किस्मत को रो ले हैं- इस पंक्ति में शायर की किस्मत के साथ तना-तनी का रिश्ता अभिव्यक्त हुआ है। चर्चा कीजिए।

उत्तर: निराशा के क्षणों में, कवि को लगता है जैसे कि भाग्य ने उसका साथ नहीं दिया है। कवि कहता है कि मैं भाग्य पर रोता हूं और मुझे देखकर भाग्य मुझ पर रोता है। इस पंक्ति के

माध्यम से कवि कर्महीन लोंगो पर व्यंग करते है। कर्महीन लोग हमेशा अपने भाग्य को दोष देते है। वे कभी कर्म नहीं करना चाहते है। उनका भाग्य उनके कर्महीनता को दोष देता है।

PAGE 60, अभ्यास - टिपण्णीकरें

12:1:9:प्रश्न - अभ्यास - टिपण्णी करें :1

टिप्पणी करें

(क) गोदी के चाँद और गगन के चाँद का रिश्ता।

उत्तर: माँ अपनी गोद में सोये बच्चे को देखकर अभिभूत होती है। वो बच्चा माँ को चाँद की तरह लगता है। इसलिए कवी ने उसे 'गोदी के चाँद' कहकर सम्बोधित किया है। माँ की गोदी में सोया बच्चा आसमान के चाँद को देखकर हर्षित होता है। अर्थात 'गोदी का चाँद' गगन चाँद को देखकर हर्षित होता है।

12:1:9:प्रश्न - अभ्यास - टिपण्णीकरें :2

(ख) सावन की घटाएँ व रक्षाबंधन का पर्व।

उत्तर: रक्षाबंधन एक पवित्र बंधन है। यह सावन के महीने में आता है। सावन के महीने में घटायें छा जाती है तथा बिजली चमकती है। जो सम्बन्ध बिजली तथा घटा का होता है वही सम्बन्ध भाई और बहन का भी होता है।

PAGE 60, अभ्यास - कविता के आसपास

12:1:9:प्रश्न - अभ्यास - कविता के आसपास:1

इन रुबाइयों से हिंदी, उर्दू और लोकभाषा के मिले-जुले प्रयोगों को छाँटिए।

उत्तर:

हिंदी के प्रयोग:

1.गूंज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी

2.किस प्यार से देखता है बच्चा मुंह को

3.दीवाली की शाम घर पुते और सजे

4.रक्षा-बंधन की सुबह रस की पुतली

5.छाई है घटा गगन की हलकी-हलकी

6.भाई के है बाँधती चमकती राखी

उर्दू के प्रयोग:

1.उलझे हुए गेसुओं में कंघी करके

2.देख आईने में चाँद उतर आया है

लोकभाषा के प्रयोग:

1.रह-रह के हवा में जो लोका देती है

2.जब घुटनियों में ले के है पिन्हाती कपडे

3.बालक तो हई चाँद पै ललचाया है

4.आंगन में दुनक रहा है जिदियाया है